वृन्दावन है मुझको जाना | By Kumaar Mukesh

सखी वृन्दावन है मुझको जाना
नंदलाला के दर्शन है पाना
जिनकी मुरली का जग है दीवाना
उनके चरणों में सर को झुकाना
सखी वृन्दावन.....

श्याम सुन्दर की छवि बड़ी प्यारी लागे
माथे मोर मुकुट बड़ा प्यारा साजे
जिसने सबको बनाया दीवाना
उनके चरणों में सर को झुकाना
सखी वृन्दावन.....

मीठी मुस्कान अधरों की प्यारी लागे
गले बैजंती माला भी प्यारी साजे
उनकी छवि को है दिल में बसाना
उनके चरणों में सर को झुकाना
सखी वृन्दावन.....

गोपियन संग में जहाँ कान्हा रास करे
प्रेम के रस की धारा जहाँ रोज़ बहे
उस प्रेम के रस को है पाना
उनके चरणों में सर को झुकाना
सखी वृन्दावन.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a5%83%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-kumaar-mukesh/